MEDIA COVERAGE

TATA POWER FACILITATES SUSTAINBALE LIVELIHOOD FOR FARMERS IN DHANBAD THROUGH AGRICULTURAL INITIATIVES

Aaj, Dhanbad

24 November 2011

टाटा पावर ने धनबाद के किसानों के खेतों की उपज बढ़ाई

धनबाद, 23 नवम्बर। अपने परियोजना स्थल के आसपास रहने वाले समुदायों की जिंदगी की गुणवत्ता सुधारने के विजन के मद्देनजर टाटा पावर ने एसी नील्सेन के साथ साझेदारी कर मैथन पावर लिमिटेड (एमपीएल), जो कि दामोदर वैली कॉर्पोरेशन के साथ एक संयुक्त उपक्रम है, के लिए एक विशिष्ट 'आजीविका हस्तक्षेप परियोजना' (लाइवलीहुड एन्टवेन्शन प्रोजेक्ट) को लॉन्च किया था। इस प्रोजेक्ट का उद्देश्य अनुकूल भौगोलिक स्थिति द्वारा प्रस्तुत अवसरों का दोहन कर महज निर्वाह के स्तर से व्यावसायिक खेती तक कृषि उत्पादकता का विकास करना है। इस प्रोजेक्ट के तहत धान रोपण का दूसरा चरण लगभग पूरा होने को है। मैथन में 14 गांवों में 265 किसानों ने 365 एकड़ जमीन पर धान और सब्जियों की उच्च उपज किस्मों (फाउंडेशन और प्रमाणित) की फसलों को लगाया गया था। प्रायोगिक साल में इस परियोजना को जबरदस्त (48 किसानों और 44 एकड़ जमीन के साथ) सफलता मिली।

Jharkhand Newsline

24 November 2011

किसानों की मदद के लिए आगे आयी टाटा पावर

बोकारो/धनबाद : अपने परियोजना स्थल के आस-पास निवास करने वाले समुदायों की जिंदगी सुधारने के लिए टाटा पावर ने एसी नील्सेन के साथ साझेदारी कर मैथन पावर लिमिटेड जो कि दामोदार वैली कार्पोरेशन के साथ संयुक्त उपक्रम के लिए एक विशिष्ट आजीविका हस्तक्षेप परियोजना को लांच किया है. इस प्रोजेक्ट का उद्देश्य अनुकूल अवसरों का दोहन कर महज निर्वाह के स्तर से व्यावसायिक खेती तक कृषि उत्पादकता का विकास करना है. इस प्रोजेक्ट के तहत धान रोपण का दूसरा चरण लगभग पूरा होने को है. मैथन में 14 गांवों में 265 किसानों ने 365 एकड़ जमीन पर धान और सब्जियों की उच्च उपज किसानों की फसलों को लगाया गया था. प्रायोगिक साल में इस परियोजना को जबरदस्त सफलता मिली. इस दौरान धान की पैदावार में चार गुणा तक की बढ़ोत्तरी दर्ज की गयी है. टाटा पावर परियोजना के प्रवीण सिन्हा ने धान के खेतों का दौरा किया और कहा कि ऐसी जगह पर कृषि को लाभदायक बनाना है, जहां पर खेती जीविका का साधन नहीं है. वास्तव में एक चुनौती थी यह खुशी की बात है कि नमूनों के तौर पर चुने गांव के खेतों में 176 क्विंटल प्रति एकड़ पैदावार हुई है.

Awaaz, Dhanbad

24 November 2011

धनबाद में धान की पैदावार पंजाब की उपज के बराबर

टाटा पावर ने धनबाद के किसानों की उपज बढ़ाई

सब्जियों की फसलों के साथ पेड्डी इन्टरवेंन्शन का दूसरा चरण जारी

धनबाद, झारखण्ड 24 नवम्बर । अपने परियोजना स्थल के आसपास रहने वाले समुदायों की जिंदगी की गुणवत्ता सुधारने के विजन के मद्देनजर टाटा पावर ने एसी नील्सेन के साथ साझेदारी कर मैथन पावर लिमिटेड (एमपीएल) दामोदर वैली कॉपोरेशन के साथ एक संयुक्त लाइबजलाहुड एन्डअन्शन प्रोजेक्ट को लॉच किया था। इस प्रोजेक्ट का उद्देश्य अनुकूल भौगोलिक स्थिति द्वारा प्रस्तुत अवसरों का दोहन कर महज निर्वाह के स्तर से व्यावसायिक खेती तक कृषि उत्पादकता का विकास करना है। इस प्रोजेक्ट के तहत धान रोपण का दूसरा चरण लगभग पूरा होने को है। मैथन में 14 गांवों में 265 किसानों ने 365 एकड़ जमीन पर धान और सब्जियों की उच्च उपज किस्मों (फाउंडेशन और प्रमाणित) को फसलों को लगाया गया था। प्रायोगिक साल में इस परियोजना को जबरदस्त (48 किसानों और 44 एकड़ जमीन के साथ). सफलता मिली। इस दौरान धान की पैदावार में 4 गुणा से अधिक तक की बढ़ोतरी (प्रोजेक्ट के तहत औसत उपज 17.6 क्विंटल/एकड़, पहले महज 4 क्विंटल/एकड़) दर्ज की गई। इस तरह धान की फसल से प्राप्त औसत कृषि आमदनी 21,120 रूपए तक पहुंच गई, जिसने दूसरे चरण को शुरू करने का मार्ग प्रशस्त किया। पैदावार बढ़ने से किसानों का भरोसा भी बढ़ा और परिणामस्वरूप लागत साझा मॉडल (70:30) में किसानों ने बढ़चढ कर हिस्सा लिया। एमपीएल ने किसानों को उच्च पैदावार क्षमता वाले बीज प्रदान करने के साथ मिट्टी की गुणवत्ता में सुधार भी किए वही दूसरी ओर किसानों ने फसल बीमा के साथ उर्वरकों पर आने वाली लागत साझा की । दूसरे चरण के अंतर्गत एमपीएल ने 14 गांवों के 289 किसानों को 461 एकड़ जमीन पर खेती के लिए 7200 किलो धान के बीज वितरित किए। बीजों और उर्वरकों के साथ ही किसानों को चरण वार रूप से प्रशिक्षण और दिशा निर्देश भी दिए गए। कृषि विशेषज्ञों ने किसानों को खेती के व्यवस्थित चक्र के बारे में समझाया । इलाके की भौगोलिक स्थिति और मिट्टी की प्रकृति को देखते हुए के.वी.के. के वैज्ञानिकों ने किसानों को अधिक पैदावार के लिए साम्बा, मंसूरी, नवीय स्वर्ण आदि किस्मों को खेत में लगाने का सुझाव दिया था। धान हस्ताक्षेप परियोजना का दूसरा चरण अब कटाई की स्थिति में पहुंच गया है। टाटा पावर के परियोजना निर्देशक - पूर्वी क्षेत्र श्री प्रवीर सिन्हा ने धान के खेतों का दैरा किया और कहा कि ऐसी जगह पर कृषि को लाभदायक बनाना, जहां पर कि खेती जीविका का साधन नहीं है, वास्तव में एक चुनौती थी। यह खुशी की बात है कि नमूनों के तौर पर चुने गए गांव के खेतों में 17.6 क्विंटल प्रति एकड़ पैदावार हुई है , जो कि झारखण्ड की औसत पैदावार से 4 गुणा तक अधिक है और पंजाब की पैदावार के बराबर हैं । धान और गैर मौसमी सब्जियों की खेती के एस.आर.आई. तरीकों के माध्यम से किसानों के जीवन की गुणवत्ता सुधरेगी और किसानों की ओर से मिल रही भारी प्रतिक्रिया को देखते हुए ऐसा लगता है कि यह उत्साह लंबे समय तक जारी रहेगा । इस परियोजना से 6424 क्विंटल धान की पैदावार होने का अनुमान है, जिससे 4498 क्विंटल तक चावन (70 प्रतिशत की दर से) प्राप्त हो सकता हैं और इसकी कुल कीमत लगभग 49.47 लाख रूपए तक आंकी जा रही है।

New Ispat Mail

24 November 2011

टाटा पावर ने धनबाद के किसानों के खेतों की उपज बढ़ाई

धनबाद : परियोजना स्थल के आस पास रहने वाले समुदायों की जिंदगी की गुणवत्ता सुधारने के विजन के मद्देनजर टाटा पावर ने एसी नील्सेन के साथ साझेदारी कर मैथन पावर लिमिटेड जो कि दामोदर वैली कॉर्पोरेशन के साथ एक संयुक्त उपक्रम है, के लिए एक विशिष्ट ''आजीविका हस्तक्षेप परियोजना'' को लांच किया.इस प्रोजेक्ट का उद्देश्य अनुकूल भौगोलिक स्थिति द्वारा प्रस्तुत अवसरों का दोहन कर महज निर्वाह के स्तर से व्यावसायिक खेती तक की उत्पादकता का विकास करना है.इस प्रोजक्ट के तहत धान रोपण का दूसरा चरण लगभग पूरा होने को है.मैथन में 14 गांवों में 269 किसानों ने 365 एकड़ जमीन पर धान और सब्जियों की उच्च उपज किस्मों (फाउंडेशन और प्रमाणित) की फसलों को लगाया गया.धान हस्तक्षेप परियोजना का दूसरा चरण अब कटाई की स्थिति में पहुंच गया है.टाटा पावर के परियोजना निदेशक-पूर्वी क्षेत्र, श्री प्रवीर सिन्हा ने धान के खेतों का दौरा किया और कहा कि, ''ऐसी जगह पर कृषि को लाभदायक बनाना, जहां पर कि खेती जीविका का साधन नहीं है, वास्तव में एक चुनौती थी.यह खुशी की बात है कि नमूनों के तौर पर चुने गए गांव के खेतों में १७.६ क्विंटल प्रति एकड पैदावार हुई है, जो कि झारखंड की औसत पैदावार से 4 गुणा तक अधिक है और पंजाब की पैदावार के बराबर है. धान और गैर मौसमी सब्जियों की खेती के एसआरआई तरीकों के माध्यम से किसानों के जीवन की गुणवत्ता सुधरेगी और किसानों की ओर से मिल रही भारी प्रतिक्रिया को देखते हुए ऐसा लगता है कि यह उत्साह लंबे समय तक जारी रहेगा.

Hindustan Times, Dhanbad

24 November 2011

Tata Power-Nielsen Maithon project to uplift farmers

HT Correspondent
jam.live@hindustantimes.com

DHANBAD: With a view to improving the quality of life of farmers in project areas, Tata Power in partnership with AC Nielsen has launched a comprehensive Livelihood Intervention Project (LIP) under its corporate social responsibility (CSR) plan at Nirsa block (in Maithon) of Dhanbad district.

The aim of the project is to develop agriculture productivity in the area from mere subsistence level to full-fledged commercial farming with high yield varieties of paddy followed by vegetable crops, covering 265 farmers in 365 acres at 14 villages in Maithon.

Praveer Sinha, project director of Tata Power (eastern region), said, the mega project has been launched after paddy output by 48 farmers in 44 acres during a pilot year turned out to be a success. In fact, the output increased four-fold at an average of 17.6 quintal per acre.

"Maithon Power Limited (a joint venture of Tata Power and Damoder Valley Corporation) provided high yielding variety seeds and soil amendments and farmers shared costs of fertilisers along with crop insurance," he said.

ithon Power distributed 7,200 kg of paddy seeds among 289 farmers covering 461 acres of land in 14 villages. Along with seeds and fertilisers, farmers were also provided phase-wise training and guidance.

THE OBJECTIVE OF THE PROJECT IS TO DEVELOP AGRICULTURE PRODUCTIVITY IN THE AREA FROM MERE SUBSISTENCE LEVEL TO FULL-FLEDGED COMMERCIAL FARMING

Foundation seeds of Sambah Mansuri, Navin and Swarna were recommended by scientists of Krishi Vigyan Kendra Baliapur as per the topography of land for getting maximum output.

The challenge was to make agriculture profitable at a place where farming was not even thought of as a means of livelihood.

The production of 17.6 quintals per acre is four times more than average paddy production in Jharkhand and is equal to the yield of states like Punjab.

The project will lead to an estimated production of 6,424 quintals of paddy, amounting to ₹ 49.47 lakh.

Sanmarg

25 November 2011

धनबाद में व्यावसायिक कृषि को टाटा पावर का प्रोत्साहन

रांची : धनबाद क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए प्रयासरत टाटा पावर ने इस क्षेत्र में व्यावसायिक कृषि को बढ़ावा देने की पहल की है। साथ ही एसी नेल्सन एवं मैथन पावन प्रोजेक्ट के साथ मिलकर विशिष्ट लाइवलीहुड इंटरवेंशन प्रोजेक्ट लांच किया है। इस योजना को भारी सफलता भी मिल रही है। धान की उपज में चार गुणा इजाफा हुआ है। यहां की भौगोलिक दशा के अनुकूल कृषि एवं आधुनिकतम तकनीक को अपनाने से उत्पादकता बढ़ी है। मैथन में 14 गांवों में 265 एकड़ जमीन पर धान एवं सब्जियों की उच्च उपज वाले किस्मों का प्रयोग किया जा रहा है। धान की पैदावार में चार गुणा वृद्धि हुई है। औसत उपज चार क्विंटल से बढ़ कर 17.6 क्विंटल तक जा पहुंची है। इससे किसानों को भारी लाभ हो रहा है। धान की फसल से औसत कृषि आमदनी 21 हजार रुपये हो गई है। इस सफलता से योजना के दूसरे चरण को शुरू करने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। एमपीएल द्वारा क्षेत्र के किसानों के बीच 72 सौ किलो उन्नत बीज का वितरण किया। बीज एवं उर्वरकों के वितरण के साथ नई तकनीक का प्रचार-प्रसार किया गया। सब्जियों की उपज में भी गुणात्मक वृद्धि हुई है।

धान का उत्पादन चार गुणा बढ़ा

Bihar Observer

25 November 2011

टाटा पावर ने धनबाद के किसानों के खेतों की उपज बढ़ाई

धनबाद में धान की पैदावार पंजाब की उपज के बराबर

धनबाद: अपने परियोजना स्थल के आसपास रहने वाले समुदायों की जिंदगी की गुणवत्ता सुधारने के विजन में मदेनजर टाटा पावर ने एसी नील्सेन के साथ साझेदारी कर मैथन पावर लिमिटेड (एमपीएल) जो कि दामोदर वैली कॉर्पोरेशन के साथ एक संयुक्त उपक्रम है के लिए एक विशिष्ट आजीविका हस्तक्षेप परियोजना को लॉन्च किया था इस प्रोजेक्ट का उद्देश्य अनुकूल भौगोलिक स्थिति द्वारा प्रस्तुत अवसरों का दोहन कर महज निर्वाह के स्तर पर व्यावसायिक खेती तक कृषि उत्पादकता का विकास करना है। इस प्रोजेक्ट के तहत धान रोकपण का दूसरा चरण लगभग पूरा होने को है। मैथन में 14 गांवों में 265 किसानों ने 365 एकड़ जमीन पर धान और सब्जियों की उच्च उपज किस्मों की फसलों को लगाया गया था।

प्रायोगिक साल में इस परियोजना को जबरदस्त (48 किसानों और 44 एकड़ जमीन के साथ) सफलता मिली। इस दौरान धान की पैदावार में 4 गुणा से अधिक तक की बढ़ोतरी (प्रोजेक्ट के तइहत औसत उपज 17.6 क्विंटर/एकड़, पहले महज 4 क्विंटल/एकड़) दर्ज की गई। इस तरह धान की फसल से प्राप्त औसत कृषि आमदनी 21,120 रूपए तक पहुंच गई, जिसने दूसरे चरण को शुरू करने का मार्ग प्रशस्त किया।

पैदावार बढ़ने से किसानों का भरोसा की बढ़ा और परिणामस्वरूप लागत साझा मॉडल में किसानों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। एमपीएल ने किसानों को उच्च पैदावार क्षमता वाले बीज प्रदान करने के साथ मिट्टी की गुणवत्ता में सुधार भी किए वहीं दूसरी ओर किसानों ने फसल बीमा के साथ उर्वरकों पर आने वाली साझा की। दूसरे चरण के अंतर्गत एमपीएल ने 14 गांवों और उर्वरकों के साथ ही किसानों को चरण वार रूप से प्रशिक्षण और दिशा निर्देश भी दिए गए। कृषि विशेषज्ञों ने किसानों को खेती के व्यवस्थित चक्र के बारे में समझाया। इलाके की भौगोलिक स्थिति और मिट्टी की प्रकृति को देखते हुए केवीके वैज्ञानिकों ने किसानों को अधिक पैदावार के लिए साम्बा मंसूरी, नवीन, स्वर्ण आदि किस्मों को खेत में लगाने का सुझाव दिया था।

धान हस्तक्षेप परियोजना का दूसरा चरण अब कटाई की स्थिति में पहुंच गया है। टाटा पावर के परियोजना निदेशक-पूर्वी क्षेत्र प्रवीर सिन्हा ने धान के खेतों का दौरा किया और कहा कि ऐसी जगह पर कृषि को लाभदायक बनाना, जहां पर कि खेती जीविका का साधन नहीं है। वास्तव में एक चुनौती थी। यह खुशी की बात है कि नमूनों के तौर पर चुने गए गांव के खेतों में 17.6 क्विंटर प्रति एकड़ पैदावार हुई है, जो कि झारखंड की औसत पैदावार से 4 गुणा तक अधिक है और पंजाब की पैदावार के बराबर है। धान और मौसमी सब्जियों की खेती के एसआरआई तरीकों के माध्यम से किसानों के जीवन की गुणवत्ता सुधरेगी और किसानों की ओर से मिल रही भारी प्रतिक्रिया को देखते हुए ऐसा लगता है कि यह उत्साह लंबे समय तक जारी रहेगा।

इस परियोजना से 6424 क्विंटर धान की पैदावार होने का अनुमान है, जिससे 4498 क्विंटल तक चावल (70 प्रतिशत की दर से) प्राप्त हो सकता है और इसकी कीमत लगभग 49.47 लाख रूपए तक आंकी जा रही है।

झारखंड के धनबाद में स्थित मैथन पॉवर लिमिटेड टाटा पॉवर लिमिटेड और दामोदर वैली कॉर्पोरेशन के बीच एक संयुक्त उपक्रम है। इस उपक्रम में टाटा पॉवर की साझेदारी 74 फीसदी है, जबकि डीवीसी की हिस्सेदारी महज 24 फीसदी है। मैथन पॉवर प्रोजेक्ट 1050 मेगावॉट का एक विशाल मेगा पॉवर संयंत्र है। ग्रीन फील्ड कोयला आधारित यह उत्पादन परियोजना झारखंड राज्य के मैथन में स्थित है। टाटा पावर निजी क्षेत्र की सबसे बड़ी बिजली कंपनी है जिसकी मौजूदा बिजली उत्पादन क्षमता 3182 मेगावॉट है। यह बिजली उत्पादन (ताप, जल, सौर औय वायु) पारेषण, वितरण और कारोबार में सक्रिय है। कंपनी ने बिजली उत्पादन, पारेषण और वितरण में कई सफल सार्वजनिक -निजी समझेदारी की है।

Dainik Bhaskar

25 November 2011

हस्तक्षेप परियोजना ने बढ़ाया किसानों का उत्साह

धनबाद. टाटा पावर की आजीविका हस्तक्षेप परियोजना ने मैथन के किसानों का जीवन स्तर बदल दिया है। इस परियोजना के कारण किसानों ने अपनी उपज चार गुना बढ़ा दी है। कृषि की नई तकनीक की जानकारी से न केवल उपज में इजाफा हुआ है, बल्कि यहां के किसान पंजाब की बराबरी तक पहुंच गए हैं।

यह सब हस्तक्षेप परियोजना की देन है। टाटा पावर ने अपने उपक्रम मैथन पावर लिमिटेड के आसपास रहने वाले किसानों के जीवन स्तर सुधारने और उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए पिछले साल शुरू किया था। ए सी निल्सेन के साथ शुरू की गई परियोजना का दूसरा चरण शुरू हो गया है। पहले चरण में मैथन के 14 गांवों में 265 किसानों ने 365 एकड़ जमीन पर धान और सब्जी की खेती की थी।

Hindustan

25 November 2011

तकनीक बना किसानों के लिए वरदान

धनबाद। एमपीएल के आस-पास के गांवों के 48 किसानों के लिए आजीविका हस्तक्षेप योजना वरदान बन गई। टाटा पावर ने एसी नील्सेन के साथ साझेदारी कर इसकी शुरुआत मैथन में की। टाटा पावर पूर्वी क्षेत्र के परियोजना निदेशक प्रवीर सिन्हा ने बताया कि इसमें 48 किसानों ने 44 एकड़ जमीन में धनरोपनी की थी। प्रायोगिक तौर पर शुरू हुई योजना से धान की पैदावार में चार गुना से भी अधिक हुई।

Prabhat Khabar

30 November 2011

टाटा पावर की पहल पर बढ़ी धान की पैदावार

एसी नेल्सन के साथ किया समझौता, 6424 क्विंटल होगी धान की पैदावार

धनबाद : अपने परियोजना स्थल के आसपास रहने वाली आबादी के जीवन में सुधार के लिए नजर टाटा पावर ने एसी नील्सेन के साथ साझेदारी की है. कंपनी ने मैथन पावर लिमिटेड (एमपीएल), जो कि दामोदर वैली कारपोरेशन के साथ एक संयुक्त उपक्रम है, के लिए एक विशिष्ट आजीविका हस्तक्षेप परियोजना (लाइवलीहुड एन्टवेन्शन प्रोजेक्ट) को लॉन्च किया है.

व्यावसायिक कृषि का विकास लक्ष्य : इस प्रोजेक्ट का उद्देश्य अनुकूल भौगोलिक स्थिति के जरिये व्यावसायिक खेती का विकास करना है. इस प्रोजक्ट के तहत धान रोपण का दूसरा चरण लगभग पूरा होने को है. मैथन में 14 गांवों में 265 किसानों ने 365 एकड जमीन पर धान और सब्जियों की उच्च उपज किस्मों (फाउंडेशन और प्रमाणित) की फसलों को लगाया गया था. प्रायोगिक साल में इस परियोजना को जबरदस्त (48 किसानों और 44 एकड जमीन के साथ) सफलता मिली. इस दौरान धान की पैदावार में 4 गुणा से अधिक तक की बढ़ोतरी (प्रोजेक्ट के तहत औसत उपज 17.6 क्विंटल/एकड़, पहले महज 4 क्विंटल/एकड़) दर्ज की गयी.

बढ़ा किसानों का भरोसा : पैदावार बढ़ने से किसानों का भरोसा भी बढ़ा और परिणामस्वरूप लागत साझा मॉडल (70:30) में किसानों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया. एमपीएल ने किसानों को उच्च पैदावार क्षमता वाले बीज प्रदान करने के साथ मिट्टी की गुणवत्ता में सुधार भी किया. वहीं, दूसरी ओर किसानों ने फसल बीमा के साथ उर्वरकों पर आने वाली लागत साझा की. दूसरे चरण के 289 किसानों को बीज और सुझाव भी दिया

एमपीएल ने 14 गांवों के 289 किसानों को 461 एकड जमीन पर खेती के लिए 7200 किलो धान के बीज वितरित किया.

धान हस्तक्षेप परियोजना का दूसरा चरण : टाटा पावर के परियोजना निदेशक-पूर्वी क्षेत्र, प्रवीर सिन्हा ने धान के खेतों का दौरा किया और कहा कि ऐसी जगह पर कृषि को लाभदायक बनाना, जहां पर कि खेती जीविका का साधन नहीं है, वास्तव में एक चुनौती थी. धान और गैर मौसमी सब्जियों की खेती के एसआरआइ तरीकों के माध्यम से किसानों के जीवन की गुणवत्ता सुधरेगी और किसानों की ओर से मिल रही भारी प्रतिक्रिया को देखते हुए ऐसा लगता है कि यह उत्साह लंबे समय तक जारी रहेगा.